

फर्द अहकाम

श्री कृष्णदेवजी कृष्णनाथ बंनारस नाम राजवठरका

न्यायालय

500 II सांगानेर
20/2017

संख्या

संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
11/3/25		<p>कि वादग्रस्त आराफी प्रामुख आल्थाथी निपेधाज्ञा के पैस सं. 8 मे वर्णित आराफी राजस्व रिकार्ड मे प्रतिकारी सं. 3 JDA, प्रति. सं. 7 चन्द्रप्रकाश प्रति. सं. 9 जयपुर भवन निगम सहकारी समिति निमित्ते, धामाणी मार्केट जयपुर क अन्य प्रतिकारी स्वतन्त्र के गुरु दफ्तर रिकार्ड है। वर्तमान मे प्रतिकारी का वादग्रस्त आराफी पर काबिज है तथा प्राचीन का वादग्रस्त आराफी पर कब्जा काबुत गरी होना पाया जाता है ऐसी स्थिति मे प्राची का सविदा का सन्तुलन, प्रथम दृष्टी के ल व अपूर्तनीय इति प्राची के पक्ष मे गरी पाये जाते है इति प्राची का प्रामुख आल्थाथी निपेधाज्ञा साहित्य किता पाठ है। पञ्चवर्षी नम्बर से कठवेका वाड तकमीक साहित्य दफ्तर है। (सुष्मका)</p>	

उपखण्ड अधिकारी
जयपुर द्वितीय (सांगानेर)